



Krishan



Shavti

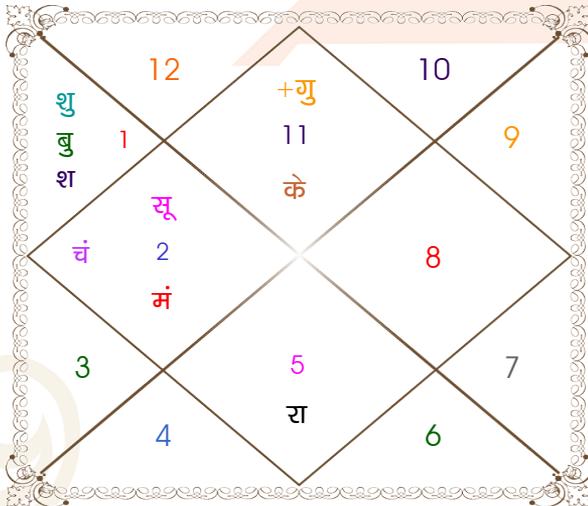
Model: Web-FreeMatching

Order No: 121009107

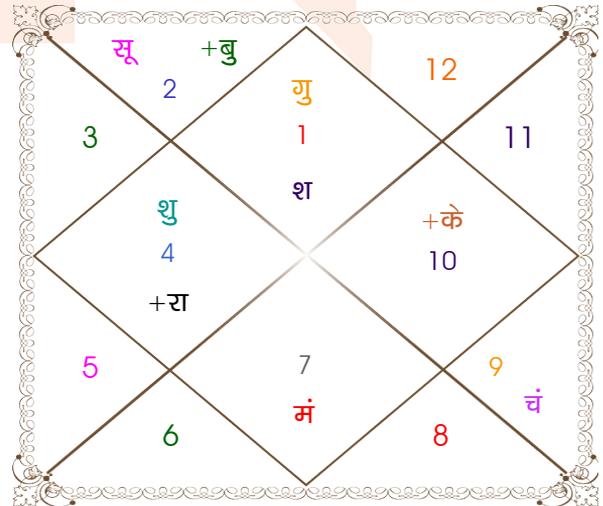
पुल्लिंग : _____ लिंग _____ : स्त्रीलिंग
 25-26/05/1998 : _____ जन्म तिथि _____ : 1-02/06/1999
 सोम-मंगलवार : _____ दिन _____ : मंगल-बुधवार
 घंटे 00:24:00 : _____ जन्म समय _____ : 03:40:00 घंटे
 घटी 47:20:30 : _____ जन्म समय(घटी) _____ : 55:35:07 घटी
 India : _____ देश _____ : India
 Bharatpur : _____ स्थान _____ : Alwar
 27:13:00 उत्तर : _____ अक्षांश _____ : 27:32:00 उत्तर
 77:29:00 पूर्व : _____ रेखांश _____ : 76:35:00 पूर्व
 82:30:00 पूर्व : _____ मध्य रेखांश _____ : 82:30:00 पूर्व
 घंटे -00:20:04 : _____ स्थानिक संस्कार _____ : -00:23:40 घंटे
 घंटे 00:00:00 : _____ ग्रीष्म संस्कार _____ : 00:00:00 घंटे
 05:27:48 : _____ सूर्योदय _____ : 05:28:52
 19:06:25 : _____ सूर्यास्त _____ : 19:14:10
 23:49:57 : _____ चित्रपक्षीय अयनांश _____ : 23:50:43

विंशोत्तरी चन्द्र 9वर्ष 10मा 16दि राहु 12/04/2015 11/04/2033	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी शुक्र 15वर्ष 8मा 15दि चन्द्र 15/02/2021 15/02/2031
राहु	23/12/2017	23:30:10	मेष	वृष	25:48:40	चन्द्र
गुरु	17/05/2020	29:58:33	कुंभ	गुरु	01:20:00	मंगल
शनि	24/03/2023	01:18:01	मेष	शुक्र	02:09:26	राहु
बुध	11/10/2025	04:38:59	मेष	शनि	17:18:38	गुरु
केतु	29/10/2026	12:19:09	सिंह व	राहु व	20:58:49	शनि
शुक्र	29/10/2029	12:19:09	कुंभ व	केतु व	20:58:49	बुध
सूर्य	23/09/2030	18:53:00	मक व	हर्ष व	22:53:58	केतु
चन्द्र	24/03/2032	08:12:37	मक व	नेप व	10:20:46	शुक्र
मंगल	11/04/2033	12:55:44	वृश्चि व	प्लूटो व	15:14:02	सूर्य

लग्न-चलित



लग्न-चलित



अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	वैश्य	क्षत्रिय	1	0.00	--	जातीय कर्म
वश्य	चतुष्पाद	चतुष्पाद	2	2.00	--	स्वभाव
तारा	विपत	मित्र	3	1.50	--	भाग्य
योनि	सर्प	वानर	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	शुक्र	गुरु	5	0.50	--	आपसी सम्बन्ध
गण	मनुष्य	मनुष्य	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	वृष	धनु	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाड़ी	अन्त्य	मध्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	20.00		

भकूट दोष कष्टदायक है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता नहीं है।

ज्ञतर्पीद का वर्ग गरुड़ है तथा Shavti का वर्ग मूषक है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार ज्ञतर्पीद और Shavti का मिलान औसत है।

मंगलीक दोष मिलान

ज्ञतर्पीद मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में चतुर्थ भाव में स्थित है।

कुजजीवो समायुक्तो युक्तो व कुजचन्द्रमा ।

न मंगली मंगल राहु योग ।

यदि मंगल-गुरु या मंगल-राहु या मंगल-चंद्र एक राशि में हों तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल एवं चन्द्र ज्ञतर्पीद कि कुण्डली में एक राशि में हैं अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

Shavti मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में सप्तम् भाव में स्थित है।

सप्तमो यदा भौमः गुरुणां च निरीक्षिता ।

तदास्तु सर्वसौख्यं च मंगली दोषनाशकृत् ।

सप्तम मंगल को गुरु देखता हो मंगली दोष कट जाता है।

क्योंकि Shavti कि कुण्डली में सप्तम मंगल को गुरु देखता है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

**शनिभौमोऽथवा कश्चित् पापो वा तादृशो भवेत् ।
तेष्वेव भवनेष्वेव भौमदोषविनाशकृत् ।।**

यदि एक की कुंडली में जहां मंगल हो उन्हीं स्थानों पर दूसरे की कुंडली में प्रबल पाप ग्रह (राहु या शनि) हों तो मंगलीक दोष कट जाता है ।

क्योंकि राहु Shavti कि कुण्डली में चतुर्थ भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है ।

**शनिभौमोऽथवा कश्चित् पापो वा तादृशो भवेत् ।
तेष्वेव भवनेष्वेव भौमदोषविनाशकृत् ।।**

यदि एक की कुंडली में जहां मंगल हो उन्हीं स्थानों पर दूसरे की कुंडली में प्रबल पाप ग्रह (राहु या शनि) हों तो मंगलीक दोष कट जाता है ।

क्योंकि राहु ज्ञतर्पेद कि कुण्डली में सप्तम् भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है ।

**त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः ।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत् ।।**

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है ।

क्योंकि शनि ज्ञतर्पेद कि कुण्डली में तृतीय भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है ।

ज्ञतर्पेद तथा Shavti में मंगलीक मिलान ठीक है ।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम है ।